भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 374
बुधवार, दिनांक 27 नवम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों से विद्युत उत्पादन</u>

374. श्री उज्जवल रमण सिंहः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कुल अधिष्ठापित क्षमता से ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों पर आधारित बिजली उत्पादन का 2030 तक कितने प्रतिशत होने की संभावना है;

(ख) क्या सरकार ने 2024-25 तक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत की स्थापित क्षमता बढ़ाने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है जिसमें सौर ऊर्जा से 100 गीगावाट, पवन ऊर्जा से 60 गीगावाट, जैव-ऊर्जा से 10 गीगावाट और लघु जल विद्युत परियोजनाओं से 6 गीगावाट शामिल है;

(ग) क्या भारत इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करके सबसे बड़ा स्वच्छ ऊर्जा उत्पादक बन जाएगा, और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) राष्ट्रीय विद्युत योजना के अनुसार, देश की 334.8 गीगावाट की अनुमानित उच्चतम माँग और 2279.7 बिलियन यूनिट (बीयू) की ऊर्जा आवश्यकता (20वें विद्युत शक्ति सर्वेक्षण के अनुसार) को पूरा करने के लिए, वर्ष 2029-30 में स्थापित क्षमता 777,144 मेगावाट होने की संभावना है, जिसमें जीवाश्म आधारित क्षमता 2,76,507 मेगावाट (कोयला 2,51,683 मेगावाट, गैस 24,824 मेगावाट) और 41,650 मेगावाट/208,250 मेगावाट घंटा की बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता के साथ 5,00,637 मेगावाट गैर-जीवाश्म आधारित क्षमता [जल विद्युत 53,860 मेगावाट, पंप्ड स्टोरेज परियोजनाएं (पीएसपी) 18,986 मेगावाट, लघु जल विद्युत 5,350 मेगावाट, परमाणु 15,480 मेगावाट, सौर 2,92,566 मेगावाट, पवन 99,895 मेगावाट और बायोमास 14,500 मेगावाट] शामिल है। तदनुसार, कुल स्थापित क्षमता में स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का प्रतिशत वर्ष 2029-30 तक 64.4 प्रतिशत होने की संभावना है।

(ख) से (घ): कॉप-26 में माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुरूप, सरकार वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट स्थापित विद्युत क्षमता हासिल करने की दिशा में कार्य कर रही है। दिनांक 31.10.2024 की स्थिति के अनुसार, देश में कुल 211.40 गीगावाट गैर-जीवाश्म विद्युत क्षमता स्थापित की जा चुकी है, जिसमें 92.12 गीगावाट सौर विद्युत, 47.72 गीगावाट पवन विद्युत, 11.33 गीगावाट जैव विद्युत, 52.05 गीगावाट जल विद्युत और 8.18 गीगावाट परमाणु विद्युत शामिल है।

वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म विद्युत क्षमता की उपलब्धि के साथ, भारत स्वच्छ ऊर्जा के बड़े उत्पादकों में से एक होगा।

*****